मालका सुख रखी

हथ जोड़ करा अरदास मैं मिंटा करा सो सो बारी,
सब ते नजर मेहरा दी रखी दुःख न किसे ते आये मालका सुख रखी,

चारो तरफ है गौर अँधेरे मुश्किल में है बचे तेरे,
इतनी शक्ति भरदो इन्हे दुःख में न गबराये,
मालका सुख रखी,

हर घर में बरसे खुशहाली जीवन में हो रोज दीवाली,
खिले रहे चेहरे फूलो से कभी न ये मुरझाये मालका सुख रखी,

किसे दातरो बार रुके न प्रगति भी रफ़्तार रुके न,
किसे दी राहवा विच रोड़ा न अटकाए मालका सुख रखी,

कदे कोई मजबूर न होवे अपने कर्म तो दूर न हॉवे,
मज़बूरी ते मेहनत दा फल हर इक नु मिल जाए मालका सुख रखी,

हर इक घर विच वरकत पावी मादा वक़्त न कदे विखावी,
हसदे वसदे रेहन सदा सब हंजू न आँख विच आये मालका सुख रखी,

दुश्मन दास जहां न हॉवे नफरत ली कोई था न हॉवे,
सब दे दिला विच प्यार दी गंगा शीत लेहर लहराये मालका सुख रखी,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15950/title/maalaka-sukh-rakhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |